अपकृत्य की अवधारणा Concept of Tortious Liability

1. Tortious Liability की अवधारणा (Concept of Tortious Liability)

- **a. Tort की परिभाषा (Definition of Tort)**
- **b. संविदात्मक दायित्व से भेद (Distinction from Contractual Liability)**
- **c. आपराधिक दायित्व से भेद (Distinction from Criminal Liability)**
- **d. Damnum Sine Injuria** (हानि बिना चोट के)
- **e. Injuria Sine Damno** (चोट बिना हानि के)

1. Tortious Liability की अवधारणा (Concept of Tortious Liability)

Tortious Liability तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति अपने कृत्य या लापरवाही के कारण दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है। यह दायित्व निम्नलिखित तत्वों पर आधारित होता है:

1. **कानूनी अधिकार का उल्लंघन (Violation of Legal Right):**
   - किसी व्यक्ति के वैध अधिकारों का उल्लंघन होना चाहिए।
   - जैसे: किसी की संपत्ति पर अवैध कब्जा।
2. **गैर-कानूनी कृत्य (Unlawful Act):**
   - यह कृत्य जानबूझकर या लापरवाही से किया गया हो सकता है।
3. **क्षति (Damage):**
   - पीड़ित को वास्तविक या संभावित क्षति होनी चाहिए।
4. **उद्देश्य (Purpose):**
   - इसका उद्देश्य पीड़ित को न्याय और मुआवजा देना है।

a. Tort की परिभाषा (Definition of Tort)

कई विद्वानों ने Tort को परिभाषित किया है:

1. **सालमंड (Salmond):**
   "Tort वह नागरिक गलत कृत्य है, जिसके लिए कानून क्षतिपूर्ति प्रदान करता है।"
2. **विनफील्ड (Winfield):**
   "Tort वह कृत्य है, जो एक कानूनी कर्तव्य का उल्लंघन करता है और जिसके कारण किसी व्यक्ति को क्षति होती है।"

महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

- **सिविल अधिकार:** यह निजी अधिकारों का उल्लंघन करता है।
- **मुआवजा:** इसका उद्देश्य पीड़ित को हुए नुकसान की भरपाई करना है।
- **अनुबंध से अलग:** इसमें अनुबंध का उल्लंघन शामिल नहीं है।

b. संविदात्मक दायित्व से भेद (Distinction from Contractual Liability)

बिंदु	Tortious Liability	Contractual Liability
आधार	कानून द्वारा निर्धारित कर्तव्य का उल्लंघन।	अनुबंध के शर्तों का उल्लंघन।

सहमति	पक्षकारों के बीच कोई पूर्व सहमति नहीं होती।	पक्षकारों के बीच पूर्व सहमति होती है।
मुआवजा	गैर-कानूनी कृत्य से हुए नुकसान के लिए।	अनुबंध के उल्लंघन से हुए नुकसान के लिए।
उदाहरण	किसी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना।	किसी सेवा को समय पर पूरा न करना।

c. आपराधिक दायित्व से भेद (Distinction from Criminal Liability)

बिंदु	Tortious Liability	Criminal Liability
प्रकृति	निजी अधिकारों का उल्लंघन।	सार्वजनिक अधिकारों का उल्लंघन।
उद्देश्य	पीड़ित को मुआवजा देना।	समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए सजा देना।
प्रक्रिया	सिविल अदालत में।	आपराधिक अदालत में।
पक्षकार	निजी व्यक्ति बनाम निजी व्यक्ति।	राज्य बनाम आरोपी।
उदाहरण	गलत तरीके से किसी की संपत्ति को नुकसान।	चोरी, हत्या, धोखाधड़ी।

d. Damnum Sine Injuria (हानि बिना चोट के)

इस सिद्धांत के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति को आर्थिक या अन्य नुकसान होता है, लेकिन उसके किसी कानूनी अधिकार का उल्लंघन नहीं होता, तो वह मुआवजे का दावा नहीं कर सकता।

उदाहरण:

1. **व्यापार में प्रतिस्पर्धा:**
   - एक व्यापारी ने अपने उत्पाद सस्ते में बेच दिए, जिससे दूसरे व्यापारी को नुकसान हुआ। लेकिन यह कानून के तहत गलत नहीं है।
2. **सार्वजनिक सेवाएँ:**
   - किसी व्यक्ति को सरकारी निविदा में सफल नहीं होने से नुकसान होता है, लेकिन यह कानूनी अधिकार का उल्लंघन नहीं है।

e. Injuria Sine Damno (चोट बिना हानि के)

इस सिद्धांत के अनुसार, यदि किसी के कानूनी अधिकार का उल्लंघन होता है, भले ही उसे कोई आर्थिक हानि न हुई हो, तो भी वह मुआवजे का दावा कर सकता है।

उदाहरण:

1. **संपत्ति का अधिकार:**
   - किसी को उसके निजी खेत में प्रवेश से रोकना, भले ही उसे कोई आर्थिक नुकसान न हो।
2. **अवरोध (Obstruction):**
   - किसी व्यक्ति को मतदान करने से रोकना।

महत्व:

यह सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि हर व्यक्ति के कानूनी अधिकारों की सुरक्षा हो।

निष्कर्ष

Tortious Liability एक महत्वपूर्ण कानूनी सिद्धांत है, जो नागरिक अधिकारों और जिम्मेदारियों की रक्षा करता है। इसमें Damnum Sine Injuria और Injuria Sine Damno जैसे सिद्धांत यह स्पष्ट करते हैं कि हर कानूनी उल्लंघन और क्षति का ध्यान कानून द्वारा रखा जाता है। अपकृत्य की अवधारणा Concept of Tortious Liability